

24/11/11
127 43

संख्या: 1426 / VIII/11-09(कराबीयो) / 2011 टी0सी0

प्रेषक,

किशन नाथ,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
देहरादून।

श्रम एवं सेवायोजन अनुभाग

देहरादून, दिनांक 28 नवम्बर, 2011

विषय:—वित्तीय वर्ष 2011-12 के लिए प्रथम अनुपूरक अनुदानों की स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:—584/XXVII(1)/2011 दिनांक 07 अक्टूबर, 2011 के संदर्भ में एवं वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:—209/XXVII(1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 के क्रम में एवं वित्तीय वर्ष 2011-12 में कर्मचारी राज्य बीमा योजना हेतु प्रथम अनुपूरक अनुदान में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष अनुदान संख्या-16 में लेखाशीर्षक-2210 के अन्तर्गत वचनबद्ध/आवश्यक मदों की संलग्न विवरणानुसार आयोजनेत्तर पक्ष में रू0 2,41,25,000 (रू0 दो करोड़ इक्तालीस लाख पच्चीस हजार मात्र) की धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2— उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर रखी जा रही है, कि उक्त मद में आबंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है, कि धनराशि का आबंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

3— उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या-16 के मुख्य लेखाशीर्षक 2210—चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य की सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

2

4— प्रायः यह देखा गया है कि धनराशि विभागाध्यक्ष के निर्वतन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्ष द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निर्वतन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है। अतः वर्तमान में स्वीकृत की जा रही धनराशि आहरण-वितरण अधिकारी को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए और फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो। धनराशि का उपयोग दि० 31 मार्च, 2012 तक करते हुये प्रत्येक माह का बी०एम०-13 शासन में उपलब्ध कराया जाएगा।

5— अवचनबद्ध मानक मदों में धनराशि अवमुक्त किये जाने का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराया जाये, ताकि आवश्यक धनराशि अवमुक्त की जा सके।

6— उक्त आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-584/XXVII(1)/2011 दिनांक 07 अक्टूबर, 2011 एवं शासनादेश संख्या- 209/XXVII(1)/2011, दिनांक 31 मार्च, 2011 में दिए गए निर्देशों के क्रम में जारी किए जा रहे हैं।

संलग्न :- यथोपरि।

भवदीय,

/

(किशन नाथ)
अपर सचिव

संख्या: 1420 (1)/VIII/11-09(कराबीयो)/2011 टी०सी०, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1— महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2— वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, समस्त जनपद, उत्तराखण्ड।
- 3— एनआईसी, सचिवालय।
- 4— वित्त अनुभाग-1/5.
- 5— गार्ड फाइल।

आज्ञा से,



(अहमद अली)
अनु सचिव

शासनादेश संख्या:-1420/VIII/11-09(कराबीयो)/2011 टी0सी0, दिनांक 23 नवम्बर, 2011
का संलग्नक।

अनुदान संख्या: 16

धनराशि हजार रुपये में

(I) लेखाशीर्षक

- 2210 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य
01 शहरी स्वास्थ्य सेवाएं-पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति
102 कर्मचारी राज्य बीमा योजना
01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें (88% के0सं0)
0103 अधिष्ठान (निदेशालय)

क्र0सं0	मानक मद संख्या का नाम	आयोजनेत्तर
1	01 वेतन	500
2	02 मजदूरी	100
3	06 अन्य भत्ते	100
4	09 विद्युत देय	25
5	39 औषधि तथा रसायन	5000
योग:-		5725

(रुपये सत्तावन लाख पच्चीस हजार मात्र)

(II) लेखाशीर्षक

- 2210 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य
01 शहरी स्वास्थ्य सेवाएं-पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति
102 कर्मचारी राज्य बीमा योजना
01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें (88% के0सं0)
0104 क्षेत्रीय कार्यालय अधिष्ठान श्रम विभाग द्वारा

क्र0सं0	मानक मद संख्या का नाम	आयोजनेत्तर
1	01 वेतन	1500
2	02 मजदूरी	200
3	09 विद्युत देय	200
4	17 किराया, उपशुल्क और कर स्वामित्व	1500
5	39 औषधि तथा रसायन	15000
योग:-		18400

(रुपये एक करोड़ चौरासी लाख मात्र)

महायोग:- रू0 2,41,25,000 (रू0 दो करोड़ इक्तालीस लाख पच्चीस हजार मात्र)

अहमद अली
अनु सचिव